परिशिष्ट 1

मन परिवर्तन का ईश्वरीय कार्य

''अन्ततः सब कुछ परमेश्वर के अनुग्रह पर ही निर्भर करता है। उसका अनुग्रह ही उद्धार का स्रोत और उद्धार को बनाए रखने और प्रेरित करने की सामर्थ है।''

एक पापी जब मसीही बनने का चुनाव करता है तब परमेश्वर उसके लिए क्या करता है ? पापी के उद्धार में उसका ईश्वरीय कार्य क्या है ? यदि हमें समझ आ जाए कि मसीह की देह अर्थात कलीसिया में प्रवेश करते समय परमेश्वर हमारे लिए क्या करता है, तो हमारी दृष्टि में इस ''विशेष आरम्भ'' का महत्व जिसे हम ''मसीह में मन परिवर्तन'' कहते हैं, बहुत ही बढ़ जाएगा।

किसी के मसीही बनने पर परमेश्वर द्वारा किए जाने वाले कार्यों की इस सूची का सावधानीपूर्वक अध्ययन करें। प्रत्येक कार्य के नीचे आपको कम से कम एक आयत मिलेगी जिससे पता चलता है कि इस कार्य को करने के लिए वास्तव में परमेश्वर ने ही कार्य किया है। कई मामलों में, बहुत सी आयतें उद्धृत की जा सकती थीं, परन्तु यह सिद्ध करने के लिए कि परमेश्वर ने कार्य किया, एक ही आयत काफी है। आप देखेंगे कि इस सूची के अनुसार किसी कि मसीही बनने पर हमारा अनुग्रहकारी परमेश्वर बयालीस विभिन्न और/या इससे जुड़े कार्य करता है। स्पष्टतः, इनमें से कुछ पदनाम एक-दूसरे के ऊपर किनारा रखने की तरह हैं और एक ही बात को दूसरी तरह से कहने का सरल ढंग है। इस संदर्भ में, कार्यों में अच्छा अन्तर किया गया है। इस सूची का उद्देश्य हमें पवित्र शास्त्र की उन आयतों को दिखाना है जो परमेश्वर द्वारा हमें अपने परिवार अर्थात कलीसिया में लाने के लिए किए जाने वाले कार्य के बारे में बताती है। इन आयतों में हमें उन कार्यों के उद्देश्य की झलक मिलेगी।

(1) उद्धारकर्त्ता के रूप में हमें मसीह दिया गया है।

तीतुस 3:5, 6

''उसने हमारा उद्धार किया: ... अपनी दया के अनुसार, नए जन्म के स्नान, और

पवित्र आत्मा के हमें नया बनाने के द्वारा ...। जिसे उसने हमारे उद्धारकर्ता यीशु मसीह के द्वारा हम पर अधिकाई से उंडेला'' (तीतुस 3:5, 6)।

(2) हमें एक देह में लाया जाता है।

1 कुरिन्थियों 12:13

''क्योंकि हम सब ने क्या यहूदी हो, क्या यूनानी, क्या दास, क्या स्वतंत्र, एक ही आत्मा के द्वारा एक देह होने के लिए बपतिस्मा लिया, और हम सब को एक ही आत्मा पिलाया गया।''

(3) हमें मसीह से ढांपा जाता है।

गलतियों 3:27

''और तुम में से जितनों ने मसीह में बपतिस्मा लिया है उन्होंने मसीह को पहिन लिया है।''

(4) हमें मसीह की मृत्यु के लाभ मिलते हैं।

रोमियों 6:3

''क्या तुम नहीं जानते, कि हम जितनों ने मसीह यीशु का [में] बपतिस्मा लिया, तो उस की मृत्यु का बपतिस्मा लिया?''

(5) हम परमेश्वर से उत्पन्न होते हैं।

1 यूहन्ना 5:1

''जिसका यह विश्वास है कि यीशु ही मसीह है, वह परमेश्वर से उत्पन्न हुआ है और जो कोई उत्पन्न करने वाले से प्रेम रखता है, वह उस से भी प्रेम रखता है, जो उससे उत्पन्न हुआ है।''

(6) हमें मसीह के लहू से धोया जाता है।

प्रकाशितवाक्य 1:5, 6

''... जो हमसे प्रेम रखता है, और जिसने अपने [मसीह के] लोहू के द्वारा हमें पापों से छुड़ाया है। ... उसी की महिमा और पराक्रम युगानुयुग रहे। आमीन।''

(7) हमारा उद्धार होता है।

मरकुस 16:16

''जो विश्वास करे और बपतिस्मा ले उसी का उद्धार होगा, परन्तु जो विश्वास न करेगा वह दोषी ठहराया जाएगा।''

(8) हमारे पाप क्षमा किए जाते हैं।

कुलुस्सियों 1:13, 14

''उसी ने हमें अन्धकार के वश से छुड़ाकर अपने प्रिय पुत्र के राज्य में प्रवेश कराया।

जिस में हमें छुटकारा अर्थात पापों की क्षमा प्राप्त होती है।''

(9) हमें परमेश्वर की दृष्टि में धर्मी बनाया जाता है।

रोमियों 3:23, 24

''इसलिए कि सब ने पाप किया है और परमेश्वर की महिमा से रहित हैं। परन्तु उसके अनुग्रह से उस छुटकारे के द्वारा जो मसीह यीशु में है, सेंत मेंत धर्मी ठहराए जाते हैं।''

(10) हमें छुड़ाया जाता है।

इफिसियों 1:7

''हम को उस में उसके लोहू के द्वारा छुटकारा, अर्थात अपराधों की क्षमा, उसके उस अनुग्रह के धन के अनुसार मिला है।''

(11) हमें पाप की दासता से निकाला जाता है।

रोमियों 6:17, 18

''परन्तु परमेश्वर का धन्यवाद हो, कि तुम जो पाप के दास थे तौभी मन से उस उपदेश के माननेवाले हो गए, जिस के सांचे में ढाले गए थे। और पाप से छुड़ाए जाकर धर्म के दास हो गए।''

(12) हमें अलग या पवित्र किया जाता है।

1 कुरिन्थियों 6:11

''और तुम में से कितने ऐसे ही थे, परन्तु तुम प्रभु यीशु मसीह के नाम से और हमारे परमेश्वर के आत्मा से धोए गए, और पवित्र हुए और धर्मी ठहरे।''

(13) परमेश्वर की संतान के रूप में हमें गोद लिया जाता है।

इफिसियों 1:5

''और अपनी इच्छा की सुमति के अनुसार हमें अपने लिए पहिले से ठहराया, कि यीशु मसीह के द्वारा हम उसके लेपालक पुत्र हों।''

(14) हमें आत्मिक रूप से जीवित किया जाता है।

इफिसियों 2:5

''जब हम अपराधों के कारण मरे हुए थे, तो [परमेश्वर ने] हमें मसीह के साथ जिलाया; (अनुग्रह ही से तुम्हारा उद्धार हुआ है)।''

(15) हमें मसीह में लाया जाता है।

इफिसियों 2:6

''और [परमेश्वर ने हमें] मसीह यीशु में उसके साथ उठाया, और स्वर्गीय स्थानों में उसके साथ बैठाया।''

(16) हम परमेश्वर का अनुग्रह पाते हैं।

इफिसियों 2:8, 9

''क्योंकि विश्वास के द्वारा अनुग्रह ही से तुम्हारा उद्धार हुआ है, और यह तुम्हारी ओर से नहीं, बरन परमेश्वर का दान है। और न कर्मों के कारण, ऐसा न हो कि कोई घमण्ड करे।''

(17) हमारा मेल परमेश्वर से कराया जाता है।

कुलुस्सियों 1:19, 20

''क्योंकि पिता की प्रसन्नता इसी में है कि उस में सारी परिपूर्णता वास करे। और उसके क्रूस पर बहे हुए लोहू के द्वारा मेल मिलाप करके, सब वस्तुओं का उसी के द्वारा अपने साथ मेल कर ले... ।''

(18) हमें मसीह में एक किया जाता है।

इफिसियों 2:14-16

''क्योंकि वही हमारा मेल है, जिस ने दोनों को एक कर लिया: और अलग करने वाली दीवार को जो बीच में थी, ढा दिया। ... कि दोनों से अपने में एक नया मनुष्य उत्पन्न करके मेल करा दे। और क्रूस पर बैर को नाश करके इस के द्वारा दोनों को एक देह बनाकर परमेश्वर से मिलाए।''

(19) हमें नई सृष्टि बनाया जाता है।

2 कुरिन्थियों 5:17

''सो यदि कोई मसीह में है तो वह नई सृष्टि है: पुरानी बातें बीत गई हैं; देखो, वे सब नई हो गईं ।''

(20) हमें परमेश्वर के वारिस बनाया जाता है।

रोमियों 8:17

''और यदि सन्तान हैं, तो वारिस भी, बरन परमेश्वर के वारिस और मसीह के संगी वारिस हैं, जब कि हम उसके साथ दुख उठाएं कि उसके साथ महिमा भी पाएं।''

(21) हमारे अन्दर ईश्वरीयता वास करती है।

आत्मा के द्वारा वास

गलतियों 4:6

''और तुम जो पुत्र हो, इसलिए परमेश्वर ने अपने पुत्र के आत्मा को, जो हे अब्बा, हे पिता कहकर पुकारता है, हमारे हृदय में भेजा है।''

परमेश्वर द्वारा वास

1 यूहन्ना 4:15

''जो कोई यह मान लेता है, कि यीशु परमेश्वर का पुत्र है; परमेश्वर उसमें बना रहता है, और वह परमेश्वर में।''

मसीह के द्वारा वास

यूहन्ना 14:23

''यीशु ने उस को उत्तर दिया, यदि कोई मुझ से प्रेम रखे, तो वह मेरे वचन को मानेगा, और मेरा पिता उस से प्रेम रखेगा, और हम उसके पास आएंगे, और उसके साथ वास करेंगे।''

(22) हम सभी आत्मिक आशिषें पा सकते हैं।

इफिसियों 1:3

''हमारे प्रभु यीशु मसीह के परमेश्वर और पिता का धन्यवाद हो, कि उस ने हमें मसीह में स्वर्गीय स्थानों में सब प्रकार की आशीष दी है।''

(23) हमें परमेश्वर के राज्य के नागरिक बनाया जाता है।

यूहन्ना 3:3

''यीशु ने उस को उत्तर दिया; कि मैं तुझ से सच सच कहता हूं, यदि कोई नये सिरे से न जन्मे तो परमेश्वर का राज्य देख नहीं सकता।''

(24) हमें दण्ड से निकाला जाता है।

रोमियों 8:1

''सो अब जो मसीह यीशु में है, उन पर दण्ड की आज्ञा नहीं: क्योंकि वे शरीर के अनुसार नहीं बरन आत्मा के अनुसार चलते हैं।''

(25) हमें परमेश्वर, मसीह और आत्मा की सहभागिता मिलती है।

1 यूहन्ना 1:3

''जो कुछ हमने देखा और सुना है उसका समाचार तुम्हें भी देते हैं, इसलिए कि तुम भी हमारे साथ सहभागी हो; और हमारी यह सहभागिता पिता के साथ, और उसके पुत्र यीशु मसीह के साथ है।''

(26) यहां हम निरन्तर शुद्ध होते रहते हैं।

1 यूहन्ना 1:7

''पर यदि जैसा वह ज्योति में है, वैसे ही हम भी ज्योति में चलें, तो एक दूसरे से सहभागिता रखते हैं; और उसके पुत्र यीशु का लोहू हमें सब पापों से शुद्ध करता है।''

(27) हमें ईश्वरीय स्वभाव के सहभागी होने के योग्य बनाया जाता है।

2 पतरस 1:4

''जिनके द्वारा उसने हमें बहुमूल्य और बहुत ही बड़ी प्रतिज्ञाएं दी हैं: ताकि इन के द्वारा तुम उस सड़ाहट से छूटकर जो संसार में बुरी अभिलाषाओं से होती है, ईश्वरीय स्वभाव के सहभागी हो जाओ''

(28) हमें जीवित आशा दी जाती है।

1 पतरस 1:3

''हमारे प्रभु यीशु मसीह के परमेश्वर और पिता का धन्यवाद दो, जिसने यीशु मसीह के मरे हुओं में से जी उठने के द्वारा, अपनी बड़ी दया से हमें जीवित आशा के लिए नया जन्म दिया।''

(29) हमें परमेश्वर की सुरक्षा में लाया जाता है।

1 पतरस 1:3-5

''हमारे प्रभु यीशु मसीह के परमेश्वर और पिता का धन्यवाद दो, जिसने ..., अपनी बड़ी दया से हमें जीवित आशा के लिए नया जन्म दिया। अर्थात एक अविनाशी और निर्मल, और अजर मीरास के लिए जो तुम्हारे लिए स्वर्ग में रखी है, जिनकी रक्षा परमेश्वर की सामर्थ से, विश्वास के द्वारा उस उद्धार के लिए, जो आनेवाले समय में प्रगट होने वाली है, की जाती है।''

(30) हमारा मेल परमेश्वर के साथ कराया जाता है।

रोमियों 5:1

''सो जब हम विश्वास से धर्मी ठहरे, तो अपने प्रभु यीशु मसीह के द्वारा परमेश्वर के साथ मेल रखें।''

(31) हम हर रोज़ परमेश्वर की शान्ति पा सकते हैं।

फिलिप्पियों 4:7

''तब परमेश्वर की शान्ति, जो समझ से बिलकुल परे है, तुम्हारे हृदय और तुम्हारे विचारों को मसीह यीशु में सुरक्षित रखेगी।''

(32) हमें सहायक के रूप में मसीह दिया जाता है।

1 यूहन्ना 2:1

''हे मेरे बालको, मैं ये बातें तुम्हें इसलिए लिखता हूं, कि तुम पाप न करो; और यदि कोई पाप करे, तो पिता के पास हमारा एक सहायक है, अर्थात धर्मी यीशु मसीह।''

(33) हमें अनन्त जीवन दिया जाता है।

1 यूहन्ना 5:12

''जिसके पास पुत्र है, उसके पास जीवन है; और जिसके पास परमेश्वर का पुत्र नहीं, उसके पास जीवन भी नहीं है।''

(34) हमें स्वर्गीय वरदान का स्वाद चखाया जाता है।

इब्रानियों 6:4-6

''क्योंकि जिन्होंने एक बार ज्योति पाई है, और जो स्वर्गीय वरदान का स्वाद चख चुके हैं और पवित्र आत्मा के भागी हो गए हैं। और परमेश्वर के उत्तम वचन का और

आनेवाले युग की सामर्थों का स्वाद चख चुके हैं ...।''

(35) हमारे नाम स्वर्ग में लिखे जाते हैं।

लूका 10:20

''तौभी इस से आनन्दित मत हो, कि आत्मा तुम्हारे वश में हैं, परन्तु इस से आनन्दित हो कि तुम्हारे नाम स्वर्ग पर [में] लिखे हैं।''

(36) हम परमेश्वर के चुने हुए लोग बन जाते हैं।

इफिसियों 1:4

''जैसा उस ने हमें जगत की उत्पत्ति से पहिले उस में चुन लिया, कि हम उसके निकट प्रेम में पवित्र और निर्दोष हों।''

(37) विश्वास के द्वारा हमारे मन शुद्ध किए जाते हैं।

प्रेरितों 15:9

''और विश्वास के द्वारा उन के मन शुद्ध करके हम में और उन में कुछ भेद न रखा।''

(38) हमारे विवेक मुर्दा कामों से शुद्ध किए जाते हैं।

इब्रानियों 10:22

''तो आओ; हम सच्चे मन, और पूरे विश्वास के साथ, और विवेक का दोष दूर करने के लिए हृदय पर छिड़काव लेकर, और देह को शुद्ध जल से धुलवाकर परमेश्वर के समीप जाएं।''

(39) हमें परमेश्वर और मसीह के निकट लाया जाता है।

इफिसियों 2:13

''पर अब तो मसीह यीशु में तुम जो पहिले दूर थे, मसीह के लोहू के द्वारा निकट हो गए हो।''

(40) पाप के पुराने मनुष्य से हमारा आत्मिक खतना किया जाता है।

कुलुस्सियों 2:11, 12

''उसी में तुम्हारा ऐसा खतना हुआ है, जो हाथ से नहीं होता, अर्थात मसीह का खतना, जिस से शारीरिक देह उतार दी जाती है। और उसी के साथ बपतिस्मा में गाड़े गए, और उसी में परमेश्वर की शक्ति पर विश्वास करके, जिस ने उस को मरे हुओं में से जिलाया, उसके साथ जी भी उठे।''

(41) प्रतिज्ञा किए हुए पवित्र आत्मा से हम पर मोहर लगती है।

इफिसियों 1:13

''और उसी में तुम पर भी जब तुम ने सत्य का वचन सुना, जो तुम्हारे उद्धार का सुसमाचार है, और जिस पर तुम ने विश्वास किया, प्रतिज्ञा किए हुए पवित्र आत्मा की

छाप लगी।''

(42) हम पर मसीह को प्रकट किया जाता है।

यूहन्ना 14:21

''जिस के पास मेरी आज्ञाएं हैं और वह उन्हें मानता है, वही मुझ से प्रेम रखता है, और जो मुझ से प्रेम रखता है, उस से मेरा पिता प्रेम रखेगा, और मैं उससे प्रेम रखूंगा, और अपने आप को उस पर प्रकट करूंगा।''

परिशिष्ट 2

मन परिवर्तन में मनुष्य का कार्य

''हर कोई इस बात से सहमत है कि परमेश्वर का अनुग्रह पाने के लिए उसे ग्रहण करना आवश्यक है। कई इसे ग्रहण करने अर्थात प्रत्युत्तर [रिस्पांस] की बात से असहमत हैं। क्या इसका कोई समाधान है? हां। प्रत्युत्तर [रिस्पांस] के बारे में जानने के लिए हमें बाइबल से ही पूछना चाहिए।''

मसीही बनने के लिए एक पापी को कौन से कार्य करने आवश्यक हैं? उद्धार तथा परमेश्वर के अनुग्रह को पाने के लिए उसके लिए क्या-क्या करना आवश्यक है?

मसीही बनने के नये नियम के निर्देशों को ''कार्य'' या ''कदम'' कहा जा सकता है। सुसमाचार को ग्रहण करने के इन प्रत्युत्तरों [responses] से उस ढंग का पता चलता है जिससे एक पापी परमेश्वर के उद्धार करने वाले, ईश्वरीय काम को ग्रहण करता है। पापी व्यक्ति उद्धार की प्रक्रिया में निष्क्रिय नहीं होता। यह सत्य है कि परमेश्वर जो हमारे उद्धार का स्रोत है, उसे बचाता है, परन्तु पापी के लिए भी परमेश्वर के उद्धार को *ग्रहण करना* और उसमें चलना आवश्यक है।

कार्यों की इस सूची का सावधानीपूर्वक अध्ययन कीजिए। आपको प्रत्येक कार्य के नीचे दिए वे पद मिलेंगे जो पुष्टि करते हैं कि यह कार्य किया जाना चाहिए। इस सूची के अनुसार मसीह द्वारा छुटकारे को पाने के लिए चौदह अलग-अलग कदम और/या कार्य किए जाने आवश्यक हैं। इसे सूची सामान्य तथा विशेष प्रत्युत्तर दो भागों में बांटा गया है। स्पष्टत:, एक प्रत्युत्तर की बात दूसरे में छिपी होती है।

कई बार पूर्ण के लिए किए गए आंशिक कार्यों को करते समय आत्मा की प्रेरणा प्राप्त लेखक द्वारा किसी व्यक्ति या विशेष कदम का इस्तेमाल किया जाता है। उदाहरण के लिए, उद्धार के लिए मनुष्य के आवश्यक प्रत्युत्तर की परिपूर्णता के लिए प्राय: ''विश्वास'' शब्द का इस्तेमाल किया जाता है। ऐसी स्थिति, लेखक ने ''विश्वास'' को मनुष्य की सारी आज्ञाकारिता का जो आवश्यक है, संक्षेप में वर्णन किया होता है। जब किसी कार्य को इस तरह इस्तेमाल किया जाता है, तो सांकेतिक रूप से कार्य में वे दूसरे सभी कार्य शामिल होते हैं जिन्हें एक पापी करता। दूसरे कार्यों को एक ही क्रिया में समाहित कर दिया जाता है। इस

प्रकार से एक ही कार्य का उल्लेख करने वाली आयतों पर ध्यान दीजिए।

सामान्य प्रत्युत्तर

(1) हमें मसीह के पास आना है।

मत्ती 11:28-30

''हे सब परिश्रम करने वालो और बोझ से दबे हुए लोगो, मेरे पास आओ; मैं तुम्हें विश्राम दूंगा। मेरा जुआ अपने ऊपर उठा लो और मुझ से सीखो। क्योंकि मैं नम्र और मन में दीन हूं; और तुम अपने मन में विश्राम पाओगे। क्योंकि मेरा जुआ सहज और मेरा बोझ हल्का है।''

प्रकाशितवाक्य 22:17

''और आत्मा, और दुल्हन दोनों कहती हैं, आ; और सुनने वाला भी कहे, कि आ; और जो प्यासा हो, वह आए, और जो कोई चाहे वह जीवन का जल सेंतमेंत ले।''

(2) हमें अपने आपको बचाना है।

प्रेरितों 2:40

''उस ने बहुत और बातों से भी गवाही दे देकर समझाया कि अपने आप को इस टेढ़ी जाति से बचाओ।''

(3) हमें आज्ञा माननी है।

रोमियों 6:17,18

''परन्तु परमेश्वर का धन्यवाद हो, कि तुम जो पाप के दास थे तौभी मन से उस उपदेश के माननेवाले हो गए, जिस के सांचे में ढाले गए थे। और पाप से छुड़ाए जाकर धर्म के दास हो गए।''

(4) हमें वचन को ग्रहण करना है।

प्रेरितों 2:41

''सो जिन्होंने उसका वचन ग्रहण किया उन्होंने बपतिस्मा लिया; और उसी दिन तीन हज़ार मनुष्यों के लगभग उन में मिल गए।''

(5) हमें वचन में बने रहना है।

यूहन्ना 8:31, 32

''तब यीशु ने उन यहूदियों से जिन्होंने उन की प्रतीति की थी, कहा, यदि तुम मेरे वचन में बने रहोगे, तो सचमुच मेरे चेले ठहरोगे। और सत्य को जानोगे, और सत्य तुम्हें स्वतन्त्र करेगा।''

(6) हमें पाप के लिए मरना है।

रोमियों 6:1, 2

''सो हम क्या कहें ? क्या हम पाप करते रहें, कि अनुग्रह बहुत हो ? कदापि नहीं,

हम जब पाप के लिए मर गए तो फिर आगे को उस में क्योंकर जीवन बिताएं?''

(7) हमें नये मनुष्य बनना है।

कुलुस्सियों 3:10

''और [तुम ने] नए मनुष्यत्व को पहिन लिया है जो अपने सृजनहार के स्वरूप के अनुसार ज्ञान प्राप्त करने के लिए नया बनता जाता है।''

विशेष प्रत्युत्तर

(1) हमें परमेश्वर के वचन की बात सुननी है।

प्रेरितों 18:8

''तब आराधनालय के सरदार क्रिसपुस ने अपने सारे घराने समेत प्रभु पर विश्वास किया; और बहुत से कुरिन्थी सुनकर विश्वास लाए और बपतिस्मा लिया।''

रोमियों 10:17

''सो विश्वास सुनने से, और सुनना मसीह के वचन से होता है।''

जो सुनते हैं उस पर ध्यान देकर।

प्रेरितों 17:11

''ये लोग तो थिस्सलुनीके के यहूदियों से भले थे और उन्होंने बड़ी लालसा से वचन ग्रहण किया, और प्रतिदिन पवित्र शास्त्रों में ढूंढ़ते रहे कि ये बातें यों ही हैं, कि नहीं।''

1 थिस्सलुनीकियों 5:21

''सब बातों को परखो: जो अच्छी है उसे पकड़े रहो।''

यह ध्यान रखकर कि कैसे सुनते हैं

मत्ती 7:24

''इसलिए जो कोई मेरी ये बातें सुनकर उन्हें मानता है वह उस बुद्धिमान मनुष्य की नाईं ठहरेगा जिसने अपना घर चट्टान पर बनाया।''

मत्ती 13:9

''जिस के कान हों वह सुन ले।''

(2) हमें विश्वास करना है।

रोमियों 5:1

''सो जब हम विश्वास से धर्मी ठहरे, तो अपने प्रभु यीशु मसीह के द्वारा परमेश्वर के साथ मेल रखें।''

परमेश्वर में

इब्रानियों 11:6

''और विश्वास बिना उसे प्रसन्न करना अनहोना है, क्योंकि परमेश्वर के पास आनेवाले को विश्वास करना चाहिए, कि वह है; और अपने खोजनेवालों को प्रतिफल देता है।''

मसीह में

यूहन्ना 3:16

''क्योंकि परमेश्वर ने जगत से ऐसा प्रेम रखा कि उस ने अपना एकलौता पुत्र दे दिया, ताकि जो कोई उस पर विश्वास करे, वह नाश न हो, परन्तु अनन्त जीवन पाए।''

(3) हमें मन फिराना है।

प्रेरितों 11:18

''यह सुनकर, वे चुप रहे, और परमेश्वर की बड़ाई करके कहने लगे, तब तो परमेश्वर ने अन्यजातियों को भी जीवन के लिए मन फिराव का दान दिया है।''

प्रेरितों 17:30

''इसलिए परमेश्वर अज्ञानता के समयों से आनाकानी करके, अब हर जगह सब मनुष्यों को मन फिराने की आज्ञा देता है।''

2 पतरस 3:9

''प्रभु अपनी प्रतिज्ञा के विषय में देर नहीं करता, जैसी देर कितने लोग समझते हैं; पर तुम्हारे विषय में धीरज धरता है, और नहीं चाहता, कि कोई नाश हो; बरन यह कि सबको मन फिराव का अवसर मिले।''

(4) हमें फिर से मुड़ना है।

प्रेरितों 2:38

''पतरस ने उन से कहा, मन फिराओ, और तुम में से हर एक अपने-अपने पापों की क्षमा के लिए यीशु मसीह के नाम से बपतिस्मा ले; तो तुम पवित्र आत्मा का दान पाओगे।''

प्रेरितों 3:19

''इसलिए मन फिराओ और लौट आओ कि तुम्हारे पाप मिटाए जाएं, जिस से प्रभु के सन्मुख से विश्रान्ति के दिन आएं।''

(5) हमें मसीह का अंगीकार करना है।

रोमियों 10:10

''क्योंकि धार्मिकता के लिए मन से विश्वास किया जाता है, और उद्धार के लिए

मुंह से अंगीकार किया जाता है।''

1 यूहन्ना 4:15
''जो कोई यह मान लेता है, कि यीशु परमेश्वर का पुत्र है; परमेश्वर उसमें बना रहता है, और वह परमेश्वर में।''

(6) हमें बपतिस्मा लेना है।

प्रेरितों 22:16
''अब क्यों देर करता है? उठ, बपतिस्मा ले, और उसका नाम लेकर अपने पापों को धो डाल।''

1 पतरस 3:21, 22
''और उसी पानी का दृष्टांत भी, अर्थात बपतिस्मा, यीशु मसीह के जी उठने के द्वारा, अब तुम्हें बचाता है; (उससे शरीर के मैल को दूर करने का अर्थ नहीं है, परन्तु शुद्ध विवेक से परमेश्वर के वश में हो जाने का अर्थ है)। वह स्वर्ग पर जाकर परमेश्वर के दहिनी ओर बैठ गया; और स्वर्गदूत और अधिकारी और सामर्थी उसके आधीन किए गए हैं।''

(7) हमें परमेश्वर का नाम लेना है।

प्रेरितों 2:21
''और जो कोई प्रभु का नाम लेगा, वही उद्धार पाएगा।''

प्रेरितों 22:16
''अब क्यों देर करता है? उठ, बपतिस्मा ले, और उसका नाम लेकर अपने पापों को धो डाल।''

परिशिष्ट 3

''मसीह में'' वाक्यांश

''मसीह छुटकारा पाए हुए व्यक्ति का नया वातावरण है। उसे पृथ्वी की उसकी सीमाओं से उठाकर बिल्कुल ही अलग क्षेत्र में अर्थात मसीह के क्षेत्र में लाया जाता है। उसे एक नई मिट्टी और नये वातावरण में लगाया जाता है और वह मिट्टी और वातावरण दोनों ही मसीह हैं। उसकी आत्मा से एक और अच्छे तत्व की सांस चलती है। वह ऊपर जाने वाले जहाज में चढ़ा है।''

कलीसिया का कोई भी अध्ययन ''मसीह में'' वाक्यांश और नये नियम में इसके जैसे शब्दों के सावधानी पूर्वक विश्लेषण के बिना पूरा नहीं हो सकता। नये नियम के फैसले के यूनानी शास्त्र में ही यह वाक्यांश 119 बार आता है (यदि 1 थिस्सलुनीकियों 4:14 को न गिना जाए)। मुख्यत: यह पौलुस के लेखों में मिलता है, परन्तु 1 पतरस (3:16; 5:10; 5:14), 1 यूहन्ना (2:27, 28 3:24; 4:13; 5:11, 20) और प्रकाशितवाक्य (14:13) में भी मिलता है।

नये नियम में इस वाक्यांश का इस्तेमाल अलग-अलग रूपों में विशेषकर ''मसीह में,'' ''मसीह यीशु में,'' ''हमारे प्रभु मसीह यीशु,'' ''प्रभु यीशु मसीह में,'' ''प्रभु यीशु में,'' ''प्रभु में,'' ''यीशु में,'' ''उसमें,'' ''जिसमें,'' ''उसके पुत्र में,'' और ''उसके पुत्र यीशु मसीह में'' मिलता है। ''मसीह में'' होने की धारणा ''मसीह की देह,'' ''उसकी देह,'' ''देह'' और ''एक देह'' के रूप में नये नियम में सोलह जगह मिलती है। ''मसीह में'' वाक्यांश वास्तव में सुसमाचार की पुस्तकों में नहीं मिलता; परन्तु एक बार ''मुझ में'' वाक्यांश में यूहन्ना 15:5 में मिलता है।

इस अध्ययन का उद्देश्य वह सूची उपलब्ध कराना है जिसमें केवल नये नियम की वही आयतें शामिल हैं जो मसीह की आत्मिक देह में होने की बात करती हैं। ''उसमें'' या ''उस पर'' विश्वास करने के सम्बन्ध में सुसमाचार की पुस्तकों में कई वाक्यांश मिल जाते हैं, परन्तु इस सूची में इन वाक्यांशों को शामिल नहीं किया गया। माना जाता है कि उन वाक्यांशों का अध्ययन अलग से किया जाना चाहिए। इस सूची में ''परमेश्वर में'' या इसके जैसे वाक्यांश जो प्रेरितों 17:28 में मिलते हैं शामिल नहीं किए गए।

''मसीह में'' वाक्यांश परिभाषा से ही अपने अलग-अलग रूपों में मसीह के साथ मेल होने के दायरे को दिखाता है अर्थात उस दायरे को जो ''कलीसिया'' (इफिसियों 1:21, 22) और ''मसीह की देह'' (इफिसियों 4:12) में है, जहां छुटकारा पाए हुओं के लिए सब प्रकार की आत्मिक आशिषें हैं।

इस वाक्यांश के विभिन्न रूपों का अध्ययन सावधानीपूर्वक करें जिन्हें आसानी से पहचानने के लिए इटेलिक/तिरछे किया गया है। उनका अध्ययन करते समय, ''मसीह में'' मसीही व्यक्ति की स्थिति और हालत पर और उन अद्‌भुत आत्मिक आशिषों की ओर ध्यान दें जो ''उसमें'' पाई जाती हैं।

''मुझ में'' (1)

यूहन्ना 15:5
''मैं दाखलता हूं: तुम डालियां हो; जो *मुझ में* बना रहता है, और मैं उस में, वह बहुत फल फलता है, क्योंकि मुझ से अलग होकर तुम कुछ भी नहीं कर सकते।''

''मसीह में'' (35)

रोमियों 9:1
''मैं *मसीह में* सच कहता हूं, झूठ नहीं बोलता और मेरा विवेक भी पवित्र आत्मा में गवाही देता है।''

रोमियों 12:5
''वैसा ही हम जो बहुत हैं, *मसीह में* एक देह होकर आपस में एक दूसरे के अंग हैं''

रोमियों 16:7
''अन्द्रुनीकुस और यूनियास को जो मेरे कुटुम्बी हैं, और मेरे साथ कैद हुए थे, और प्रेरितों में नामी हैं, और मुझ से पहिले *मसीह में* हुए थे, नमस्कार।''

रोमियों 16:9
''उरबानुस को, जो *मसीह में* हमारा सहकर्मी है, और मेरे प्रिय इस्तखुस को नमस्कार।''

रोमियों 16:10
''अपिल्लेस को जो *मसीह में* खरा निकला, नमस्कार। अरिस्तुबुलुस के घराने को नमस्कार।''

1 कुरिन्थियों 3:1
''हे भाइयो, मैं तुम से इस रीति से बातें न कर सका, जैसे आत्मिक लोगों से; परन्तु जैसे शारीरिक लोगों से, और उन से जो *मसीह में* बालक हैं।''

1 कुरिन्थियों 4:10
''हम मसीह के लिए मूर्ख हैं; परन्तु तुम *मसीह में* बुद्धिमान हो: हम निर्बल हैं परन्तु तुम बलवान हो: तुम आदर पाते हो, परन्तु हम निरादर होते हैं।

1 कुरिन्थियों 4:15
''क्योंकि यदि *मसीह में* तुम्हारे सिखानेवाले दस हजार भी होते, तौभी तुम्हारे पिता बहुत से नहीं, इसलिए कि मसीह यीशु में सुसमचार के द्वारा मैं तुम्हारा पिता हुआ।''

1 कुरिन्थियों 4:17
''इसलिए मैं ने तीमुथियुस को जो प्रभु में मेरा प्रिय और विश्वासयोग्य पुत्र है, तुम्हारे पास भेजा है, और वह तुम्हें *मसीह में* मेरा चरित्र स्मरण कराएगा, जैसे कि मैं हर जगह हर एक कलीसिया में उपदेश करता हूं।''

1 कुरिन्थियों 15:17,18
''और यदि मसीह नहीं जी उठा, तो तुम्हारा विश्वास व्यर्थ है; और तुम अब तक अपने पापों में फंसे हो। बरन जो *मसीह में* सो गए हैं, वे भी नाश हुए।

1 कुरिन्थियों 15:19
यदि हम केवल इसी जीवन में *मसीह में* आशा रखते हैं तो हम सब मनुष्यों से अधिक अभागे हैं। (NASB)

2 कुरिन्थियों 1:21
''और जो हमें तुम्हारे साथ *मसीह में*[2] दृढ़ करता है, और जिस ने हमें अभिषेक किया वही परमेश्वर है।''

2 कुरिन्थियों 2:17
''क्योंकि हम उन बहुतों के समान नहीं, जो परमेश्वर के वचन में मिलावट करते हैं; परन्तु मन की सच्चाई से, और परमेश्वर की ओर से परमेश्वर को उपस्थित जानकर *मसीह में* बोलते हैं।''

2 कुरिन्थियों 3:14
''परन्तु वे मतिमन्द हो गए, क्योंकि आज तक पुराने नियम के पढ़ते समय उन के हृदयों पर वही परदा पड़ा रहता है; पर वह *मसीह में* उठ जाता है।''

2 कुरिन्थियों 5:17
सो यदि कोई *मसीह में* है तो वह नई सृष्टि है: पुरानी बातें बीत गई हैं; देखो, वे सब नई हो गईं।''

2 कुरिन्थियों 5:19
''...परमेश्वर ने *मसीह में* होकर अपने साथ संसार का मेल मिलाप कर लिया और उस के अपराधों का दोष उन पर नहीं लगाया और उस ने मेल मिलाप का वचन हमें सौंप दिया है।''

2 कुरिन्थियों 12:2
''मैं *मसीह में* एक मनुष्य को जानता हूं, चौदह वर्ष हुए कि न जाने देहसहित, न जाने देहरहित, परमेश्वर जानता है, ऐसा मनुष्य तीसरे स्वर्ग तक उठा लिया गया।''

2 कुरिन्थियों 12:19
''तुम अभी तक समझ रहे होंगे कि हम तुम्हारे सामने प्रत्युत्तर दे रहे हैं, हम तो परमेश्वर को उपस्थित जानकर *मसीह में* बोलते हैं, और हे प्रियो, सब बातें तुम्हारी उन्नति ही के लिए कहते हैं।''

गलतियों 1:22
''परन्तु यहूदिया की कलीसियाओं ने जो *मसीह में* थीं, मेरा मुंह तो कभी नहीं देखा था।''

गलतियों 2:17
''हम जो *मसीह में* धर्मी ठहरना चाहते हैं, यदि आप ही पापी निकलें, तो क्या मसीह पाप का सेवक है ? कदापि नहीं।''

इफिसियों 1:3
''हमारे प्रभु यीशु मसीह के परमेश्वर और पिता का धन्यवाद हो, कि उस ने हमें *मसीह में* स्वर्गीय स्थानों में सब प्रकार की आशीष दी है।''

इफिसियों 4:32
''और एक दूसरे पर कृपाल, और करुणामय हो, और जैसे परमेश्वर ने *मसीह में* तुम्हारे अपराध क्षमा किए, वैसे ही तुम भी दूसरे के अपराध क्षमा करो।''

फिलिप्पियों 2:1,2
''सो यदि *मसीह में* कुछ शान्ति, ...दया है। तो मेरा यह आनन्द पूरा करो कि एक मन रहो और एक ही प्रेम, एक ही चित्त, और एक ही मनसा रखो।''

कुलुस्सियों 1:2
''*मसीह में* उन पवित्र और विश्वासी भाइयों के नाम जो कुलुस्से में रहते हैं। हमारे पिता परमेश्वर की ओर से तुम्हें अनुग्रह और शान्ति प्राप्त होती रहे।''

कुलुस्सियों 1:28
''जिस का प्रचार करके हम हर एक मनुष्य को जता देते हैं और सारे ज्ञान से हर एक मनुष्य को सिखाते हैं, कि हम हर एक व्यक्ति को *मसीह में* सिद्ध करके उपस्थित करें''

1 थिस्सलुनीकियों 4:16
''क्योंकि प्रभु आप ही स्वर्ग से उतरेगा; उस समय ललकार, और प्रधान दूत का शब्द सुनाई देगा, और परमेश्वर की तुरही फूंकी जाएगी, और जो *मसीह में* मरे हैं, वे पहिले जी उठेंगे।''

फिलेमोन 20
''हे भाई यह आनन्द मुझे प्रभु में तेरी ओर से मिले: *मसीह में* मेरे जी को हरा भरा कर दे।''

1 पतरस 3:16
''और विवेक भी शुद्ध रखो, इसलिए कि जिन बातों के विषय में तुम्हारी बदनामी होती है, उनके विषय में वे जो *मसीह में* तुम्हारे अच्छे चालचलन का अपमान करते हैं लज्जित हों।''

1 पतरस 5:10
''अब परमेश्वर जो सारे अनुग्रह का दाता है, जिसने तुम्हें *मसीह में* अपनी अनन्त महिमा के लिए बुलाया, तुम्हारे थोड़ी देर तक दुख उठाने के बाद आप ही तुम्हें सिद्ध और स्थिर और बलवन्त करेगा।''

1 पतरस 5:14
''प्रेम से चुम्बन ले लेकर एक दूसरे को नमस्कार करो। तुम सब को जो *मसीह में* हो शान्ति मिलती रहे।''

1 कुरिन्थियों 15:22
''और जैसे आदम में सब मरते हैं, वैसे ही *मसीह में* सब जिलाए जाएंगे।''

2 कुरिन्थियों 2:14
''परन्तु परमेश्वर का धन्यवाद हो, जो *मसीह में* सदा हम को जय के उत्सव में लिए फिरता है, और अपने ज्ञान की सुगन्ध हमारे द्वारा हर जगह फैलाता है।'

इफिसियों 1:9, 10
''कि उस ने अपनी इच्छा का भेद उस सुमति के अनुसार हमें बताया जिसे उस ने अपने आप में ठान लिया था। कि समयों के पूरे होने का ऐसा प्रबन्ध हो कि ...सब कुछ वह *मसीह में* एकत्र करे।''

इफिसियों 1:11, 12
''उसी में जिस में हम भी उसी की मनसा से जो अपनी इच्छा के मत के अनुसार सब कुछ करता है, पहिले से ठहराए जाकर मीरास बने। कि हम जिन्होंने पहिले से *मसीह पर* [में; NASB] आशा रखी थी, उस की महिमा की स्तुति के कारण हों।''

इफिसियों 1:19, 20
''...उसकी शक्ति के प्रभाव के उस कार्य के अनुसार। जो उसने *मसीह* के विषय *में* किया, कि उस को मरे हुओं में से जिलाकर स्वर्गीय स्थानों में अपनी दहिनी ओर बैठाया।''

''मसीह यीशु में'' (43)

रोमियों 3:23, 24
''इसलिए कि सब ने पाप किया है और परमेश्वर की महिमा से रहित हैं। परन्तु उसके अनुग्रह से उस छुटकारे के द्वारा जो *मसीह यीशु में* है, सेंत मेंत धर्मी ठहराए जाते हैं।''

रोमियों 6:11
''ऐसे ही तुम भी अपने आप को पाप के लिए तो मरा, परन्तु परमेश्वर के लिए *मसीह यीशु में* जीवित समझो।''

रोमियों 6:23
''क्योंकि पाप की मजदूरी तो मृत्यु है, परन्तु परमेश्वर का वरदान हमारे प्रभु *मसीह यीशु में* अनन्त जीवन है।''

रोमियों 8:1
''सो अब जो *मसीह यीशु में* हैं, उन पर दण्ड की आज्ञा नहीं: क्योंकि वे शरीर के अनुसार नहीं बरन आत्मा के अनुसार चलते हैं।''

रोमियों 8:2
''क्योंकि जीवन की आत्मा की व्यवस्था ने *मसीह यीशु में* मुझे पाप की, और मृत्यु की व्यवस्था से स्वतन्त्र कर दिया।''

रोमियों 15:17
''सो उन बातों के विषय में जो परमेश्वर से सम्बन्ध रखती हैं, मैं *मसीह यीशु में* बड़ाई कर सकता हूं।''

रोमियों 16:3
''प्रिसका और अक्विला को जो (मसीह) *यीशु में* मेरे सहकर्मी हैं, नमस्कार।''

1 कुरिन्थियों 1:2
''परमेश्वर की उस कलीसिया के नाम जो कुरिन्थुस में है, अर्थात उन के नाम जो *मसीह यीशु में* पवित्र किए गए, और पवित्र होने के लिए बुलाए गए हैं; और उन सब के नाम जो हर जगह हमारे और अपने प्रभु यीशु मसीह के नाम की प्रार्थना करते हैं।''

1 कुरिन्थियों 1:4
''मैं तुम्हारे विषय में अपने परमेश्वर का धन्यवाद सदा करता हूं, इसलिए कि परमेश्वर का यह अनुग्रह तुम पर *मसीह यीशु में* हुआ।''

1 कुरिन्थियों 1:30
''परन्तु उसी की ओर से तुम *मसीह यीशु में* हो, जो परमेश्वर की ओर से हमारे लिए ज्ञान ठहरा अर्थात धर्म, और पवित्रता, और छुटकारा।''

1 कुरन्थियों 4:15
''क्योंकि यदि मसीह में तुम्हारे सिखानेवाले दस हजार भी होते, तौभी तुम्हारे पिता बहुत से नहीं, इसलिए कि *मसीह यीशु में* सुसमाचार के द्वारा मैं तुम्हारा पिता हुआ।''

1 कुरिन्थियों 16:24
''मेरा प्रेम *मसीह यीशु में* तुम सब से रहे। आमीन।''

गलतियों 2:4
''और यह उन झूठे भाइयों के कारण हुआ, जो चोरी से घुस आए थे, कि उस स्वतन्त्रता का जो *मसीह यीशु में* हमें मिलाती है, भेद लेकर हमें दास बनाएं।''

गलतियों 3:13, 14
''मसीह ने जो हमारे लिए स्रापित बना; हमें मोल लेकर व्यवस्था के श्राप के छुड़ाया क्योंकि लिखा है, जो कोई काठ पर लटकाया जाता है वह श्रापित है । यह इसलिए हुआ, कि इब्राहीम की आशीष *मसीह यीशु में* अन्यजातियों तक पहुंचे, और हम विश्वास के द्वारा उस आत्मा को प्राप्त करें, जिस की प्रतिज्ञा हुई है।''

गलतियों 3:28
''अब न कोई यहूदी रहा और न यूनानी; न कोई दास, न स्वतन्त्र; न कोई नर, न नारी; क्योंकि तुम सब *मसीह यीशु में* एक हो।''

गलतियों 5:6
''और *मसीह यीशु में* न खतना, न खतनारहित कुछ काम का है, परन्तु केवल, जो प्रेम के

द्वारा प्रभाव करता है।''

इफिसियों 1:1
''पौलुस की ओर से जो परमेश्वर की इच्छा से यीशु मसीह का प्रेरित है, उन पवित्र और *मसीह यीशु में* विश्वासी लोगों के नाम जो इफिसुस में हैं।''

इफिसियों 2:4-7
''परन्तु परमेश्वर ने... हमें मसीह के साथ जिलाया; (अनुग्रह ही से तुम्हारा उद्धार हुआ है)। और *मसीह यीशु में* उसके साथ उठाया, और स्वर्गीय स्थानों में उसके साथ बैठाया। कि वह अपनी उस कृपा से जो *मसीह यीशु में* हम पर है, आने वाले समयों में अपने अनुग्रह का असीम धन दिखाए।

इफिसियों 2:10
''क्योंकि हम उसके बनाए हुए हैं; और *मसीह यीशु में* उन भले कामों के लिए सृजे गए जिन्हें परमेश्वर ने पहिले से हमारे करने के लिए तैयार किया।''

इफिसियों 2:13
''पर अब तो *मसीह यीशु में* तुम जो पहिले दूर थे, मसीह के लोहू के द्वारा निकट हो गए हो।''

इफिसियों 3:6
''अर्थात यह, कि *मसीह यीशु में* सुसमाचार के द्वारा अन्यजातीय लोग मीरास में सांझी, और एक ही देह के और प्रतिज्ञा के भागी हैं।''

इफिसियों 3:11
''उस सनातन मनसा के अनुसार, जो उस ने हमारे प्रभु *मसीह यीशु में* [4] की थी''

इफिसियों 3:21
''कलीसिया में, और *मसीह यीशु में,* उसकी महिमा पीढ़ी से पीढ़ी तक युगानुयुग होती रहे। आमीन।''

फिलिप्पियों 1:1
''मसीह यीशु के दास पौलुस और तीमुथियुस की ओर से सब पवित्र लोगों के नाम, जो *मसीह यीशु में* होकर फिलिप्पी में रहते हैं, अध्यक्षों और सेवकों समेत।''

फिलिप्पियों 1:26
''और जो घमण्ड तुम मेरे विषय में करते हो, वह मेरे फिर तुम्हारे पास आने से *मसीह यीशु में* अधिक बढ़ जाए।''

फिलिप्पियों 3:3
''क्योंकि खतना वाले तो हम ही हैं जो परमेश्वर की अगुआई से उपासना करते हैं, और *मसीह यीशु में* घमण्ड करते हैं, और शरीर पर भरोसा नहीं रखते।'' (NASB)

फिलिप्पियों 3:14
''निशाने की ओर दौड़ा चला जाता हूं, ताकि वह इनाम पाऊं, जिस के लिए परमेश्वर ने मुझे *मसीह यीशु में* ऊपर बुलाया है।''

फिलिप्पियों 4:7
''तब परमेश्वर की शान्ति, जो समझ के बिलकुल परे है, तुम्हारे हृदय और तुम्हारे विचारों को *मसीह यीशु में* सुरक्षित रखेगी।''

फिलिप्पियों 4:19
''और मेरा परमेश्वर भी अपने उस धन के अनुसार जो महिमा सहित *मसीह यीशु में* है तुम्हारी एक घटी को पूरी करेगा।''

फिलिप्पियों 4:21
''हर एक पवित्र जन को जो *यीशु मसीह में* है नमस्कार कहो। जो भाई मेरे साथ हैं, तुम्हें नमस्कार कहते हैं।''

1 थिस्सलुनीकियों 2:14
''इसलिए कि तुम, हे भाइयो, परमेश्वर की उन कलीसियाओं की सी चाल चलने लगे, जो यहूदियों में *मसीह यीशु में* हैं क्योंकि तुम ने भी अपने लोगों से वैसा ही दुख पाया, जैसा उन्होंने यहूदियों से पाया था।''

1 थिस्सलुनीकियों 5:18
''हर बात में धन्यवाद करो: क्योंकि तुम्हारे लिए *मसीह यीशु में* परमेश्वर की यही इच्छा है।''

1 तीमुथियुस 1:14
''और हमारे प्रभु का अनुग्रह उस विश्वास और प्रेम के साथ जो *मसीह यीशु में* है, बहुतायत से हुआ।''

2 तीमुथियुस 1:1, 2
''पौलुस की ओर से जो उसकी प्रतिज्ञा के अनुसार जो *मसीह यीशु में* हैं, परमेश्वर की इच्छा से मसीह यीशु का प्रेरित है। प्रिय पुत्र तीमुथियुस के नाम। परमेश्वर पिता और हमारे प्रभु मसीह यीशु की ओर से तुझे अनुग्रह और दया और शान्ति मिलती रहे।''

2 तीमुथियुस 1:9
''जिस ने हमारा उद्धार किया, और पवित्र बुलाहट से बुलाया, और यह हमारे कामों के अनुसार नहीं; पर अपनी मनसा और उस अनुग्रह के अनुसार है जो *मसीह यीशु में* सनातन से हम पर हुआ है।''

2 तीमुथियुस 1:13
''जो खरी बातें तू ने मुझ से सुनी हैं उन को उस विश्वास और प्रेम के साथ जो *मसीह यीशु में* है, अपना आदर्श बनाकर रख।''

2 तीमुथियुस 2:1
''इसलिए हे मेरे पुत्र, तू उस अनुग्रह से जो *मसीह यीशु में* है, बलवन्त हो जा।''

2 तीमुथियुस 2:10
''इस कारण मैं चुने हुए लोगों के लिए सब कुछ सहता हूं, कि वे भी उद्धार को जो *मसीह यीशु में* हैं अनन्त महिमा के साथ पाएं।''

2 तीमुथियुस 3:12
''पर जितने *मसीह यीशु में* भक्ति के साथ जीवन बिताना चाहते हैं वे सब सताए जाएंगे।''

2 तीमुथियुस 3:15
''...बालकपन से पवित्र शास्त्र तेरा जाना हुआ है, जो मुझे मसीह पर विश्वास करने से उद्धार प्राप्त करने के लिए बुद्धिमान बना सकता है।''

फिलेमोन 23
''इपफ्रास जो *मसीह यीशु में* मेरे साथ कैदी है।''

''हमारे प्रभु मसीह यीशु में'' (1)

रोमियों 8:39
''न गहराई और न कोई और सृष्टि, हमें परमेश्वर के प्रेम से, जो *हमारे प्रभु मसीह यीशु में* है, अलग कर सकेगी।''

''प्रभु यीशु मसीह में'' (3)

1 थिस्सलुनीकियों 1:1
''पौलुस और सिलवानुस और तीमुथियुस की ओर से थिस्सलुनीकियों की कलीसिया के नाम जो परमेश्वर पिता और *प्रभु यीशु मसीह में* है। अनुग्रह और शान्ति तुम्हें मिलती रहे।''

2 थिस्सलुनीकियों 1:1
''पौलुस और सिलवानुस और तीमुथियुस की ओर से थिस्सलुनीकियों की कलीसिया के नाम, जो हमारे पिता परमेश्वर और *प्रभु यीशु मसीह में* है।''

2 थिस्सलुनीकियों 3:12
''ऐसों को हम *प्रभु यीशु मसीह में* आज्ञा देते और समझाते हैं, कि चुपचाप काम करके अपनी ही रोटी खाया करें।''

''प्रभु यीशु में'' (1)

रोमियों 14:14
''मैं जानता हूं, और *प्रभु यीशु में* मुझे निश्चय हुआ है, कि कोई वस्तु अपने आप से अशुद्ध नहीं, परन्तु जो उस को अशुद्ध समझता है, उसके लिए अशुद्ध है।'' (NASB)

''प्रभु में'' (3)

1 कुरिन्थियों 4:17
''इसलिए मैं ने तीमुथियुस को जो *प्रभु में* मेरा प्रिय और विश्वासयोग्य पुत्र है, तुम्हारे पास भेजा है, और वह तुम्हें मसीह में मेरा चरित्र स्मरण कराएगा, जैसे कि मैं हर जगह हर एक कलीसिया में उपदेश करता हूं।''

2 कुरिन्थियों 2:12
''और जब मैं मसीह का सुसमाचार सुनाने को त्रोआस में आया, और *प्रभु में* मेरे लिए एक द्वार खोल दिया गया।'' (NASB)

प्रकाशितवाक्य 14:13
''और मैंने स्वर्ग से यह शब्द सुना, कि लिख; जो मुरदे *प्रभु में* मरते हैं, वे अब से धन्य हैं, आत्मा कहता है, हां क्योंकि वे अपने परिश्रमों से विश्राम पाएंगे, और उनके कार्य उनके साथ हो लेते हैं।''

''यीशु में'' (2)

इफिसियों 4:20, 21
''पर तुम ने मसीह की ऐसी शिक्षा नहीं पाई। बरन तुम ने सचमुच उसी की सुनी, और जैसा

यीशु में सत्य है, उसी में सिखाए भी गए।''

2 थिस्सलुनीकियों 4:14
''क्योंकि यदि हम प्रतीति करते हैं, कि यीशु मरा, और जी भी उठा, तो वैसे ही परमेश्वर उन्हें भी जो *यीशु में*[5] सो गए हैं, उसी के साथ ले आएगा।''

''उस में'' (15)

2 कुरिन्थियों 1:19
''क्योंकि परमेश्वर का पुत्र यीशु मसीह जिस का हमारे द्वारा अर्थात मेरे और सिलवानुस और तीमुथियुस के द्वारा तुम्हारे बीच में प्रचार हुआ; उस से हां और नहीं दोनों न थीं; परन्तु, *उस में* हां ही हां हुई।''

2 कुरिन्थियों 5:21
''जो पाप से अज्ञात था, उसी को उस ने हमारे लिए पाप ठहराया, कि हम *उस में* होकर परमेश्वर की धार्मिकता बन जाएं।''

2 कुरिन्थियों 13:4
''वह निर्बलता के कारण क्रूस पर चढ़ाया तो गया, तौभी परमेश्वर की सामर्थ से जीवित है, हम भी तो *उस में* निर्बल हैं; परन्तु परमेश्वर की सामर्थ से जो तुम्हारे लिए है, उसके साथ जीएंगे।''

इफिसियों 1:4
''जैसा उस ने हमें जगत की उत्पत्ति से पहिले *उस में* चुन लिया, कि हम उसके निकट प्रेम में पवित्र और निर्दोष हों।''

फिलिप्पियों 3:8, 9
''बरन मैं अपने प्रभु मसीह यीशु की पहिचान की उत्तमता के कारण सब बातों को हानि समझता हूं: जिस के कारण मैं ने सब वस्तुओं की हानि उठाई, और उन्हें कूड़ा समझता हूं, जिस से मैं मसीह को प्राप्त करूं। और *उस में* पाया जाऊं; न कि अपनी उस धार्मिकता के साथ, जो व्यवस्था से है, और परमेश्वर की ओर से विश्वास करने पर मिलती है।''

कुलुस्सियों 1:19
''क्योंकि पिता की प्रसन्नता इसी में है कि *उस में* सारी परिपूर्णता वास करे।''

कुलुस्सियों 2:9
''क्योंकि *उस में* ईश्वरत्व की सारी परिपूर्णता सदेह वास करती है।''

2 थिस्सलुनीकियों 1:11, 12
''इसी लिए हम सदा तुम्हारे निमित्त प्रार्थना भी करते हैं, कि हमारा परमेश्वर तुम्हें इस बुलाहट के योग्य समझे, और भलाई की हर एक इच्छा, और विश्वास के हर एक काम को सामर्थ सहित पूरा करे। कि हमारे परमेश्वर और प्रभु यीशु मसीह के अनुग्रह के अनुसार हमारे प्रभु यीशु का नाम तुम में महिमा पाए, और तुम *उस में*।''

1 यूहन्ना 2:27
''और तुम्हारा यह अभिषेक, जो उसकी ओर से किया गया, तुममें बना रहता है; और तुम्हें सिखाए, बरन जैसे वह अभिषेक जो उसकी ओर से किया गया तुम्हें सब बातें सिखाता है, और यह सच्चा है, और झूठा नहीं: और जैसा उसने तुम्हें सिखाया है वैसे ही तुम *उस में* बने रहते हो।''

1 यूहन्ना 2:28
निदान, हे बालको, *उस में* बने रहो; कि जब वह प्रगट हो, तो हमें हियाव हो, और हम उसके आने पर उसके साम्हने लज्जित न हों।''

1 यूहन्ना 3:24
''और जो उसकी आज्ञाओं को मानता है, वह इसमें; और यह *उस में* बना रहता है: और इसी से, अर्थात उस आत्मा से जो उसने हमें दिया है, हम जानते हैं, कि वह हम में बना रहता है।

1 यूहन्ना 4:13
''इसी से हम जानते हैं, कि हम *उस में* बने रहते हैं, और वह हम में; क्योंकि उसने अपने आत्मा में से हमें दिया है।''

1 यूहन्ना 5:20
''और यह भी जानते हैं, कि परमेश्वर का पुत्र आ गया है और उसने हमें समझ दी है, कि हम उस सच्चे को पहचानें, और हम *उस में* जो सत्य है, अर्थात उसके पुत्र यीशु मसीह में रहते हैं: सच्चा परमेश्वर और अनन्त जीवन यही है।''

इफिसियों 1:7
''हम को *उस में*[6] उसके लोहू के द्वारा छुटकारा, अर्थात अपराधों की क्षमा, उसके उस

अनुग्रह के धन के अनुसार मिला है।''

इफिसियों 4:15
''बरन प्रेम में सच्चाई से चलते हुए, सब बातों में *उस में* जो सिर है, अर्थात मसीह में बढ़ते जाएं।''

''उसी में''(9)

2 कुरिन्थियों 1:20
''क्योंकि परमेश्वर की जितनी प्रतिज्ञाएं हैं, वे सब *उसी में* हां के साथ हैं: इसलिए उसके द्वारा आमीन भी हुई, कि हमारे द्वारा परमेश्वर की महिमा हो।''

इफिसियों 1:11
''*उसी में* जिस में हम भी उसी की मनसा से जो अपनी इच्छा के मत के अनुसार सब कुछ करता है, पहिले से ठहराए जाकर मीरास बने।''

इफिसियों 1:13
''और *उसी में* तुम पर भी जब तुम ने सत्य का वचन सुना, जो तुम्हारे उद्धार का सुसमाचार है, और जिस पर तुम ने विश्वास किया, प्रतिज्ञा किए हुए पवित्र आत्मा की छाप लगी।''

इफिसियों 4:20, 21
''पर तुम ने मसीह की ऐसी शिक्षा नहीं पाई। बरन तुम ने सचमुच उसी की सुनी, और जैसा यीशु में सत्य है, *उसी में* सिखाए भी गए।''

कुलुस्सियों 1:17
''और वही सब वस्तुओं में प्रथम है, और सब वस्तुएं *उसी में* स्थिर रहती हैं।''

कुलुस्सियों 2:6, 7
''सो जैसा तुम ने मसीह यीशु को प्रभु करके ग्रहण कर लिया है, वैसे ही *उसी में* चलते रहो। और *उसी में* जड़ पकड़ते और बढ़ते जाओ; और जैसा तुम सिखाए गए वैसे ही विश्वास में दृढ़ होते जाओ, और अत्यन्त धन्यवाद करते रहो।''

कुलुस्सियों 2:10
''और तुम *उसी में* भरपूर हो गए हो जो सारी प्रधानता और अधिकार का शिरोमणि है।''

कुलुस्सियों 2:11
''*उसी में* तुम्हारा ऐसा खतना हुआ है, जो हाथ से नहीं होता, अर्थात मसीह का खतना,

जिस से शारीरिक देह उतार दी जाती है।''

''अपने आप में'' (1)

इफिसियों 1:9
''कि उस ने अपनी इच्छा का भेद उस सुमति के अनुसार हमें बताया जिसे उस ने *अपने आप में* ठान लिया था।''

''जिस में'' (5)

इफिसियों 2:21
'' *जिस में* सारी रचना एक साथ मिलकर प्रभु में एक पवित्र मन्दिर बनती जाती है।''

इफिसियों 2:22
'' *जिस में* तुम भी आत्मा के द्वारा परमेश्वर का निवास स्थान होने के लिए एक साथ बनाए जाते हो।''

इफिसियों 3:12
'' *जिस में* हम को उन पर विश्वास रखने से हियाव और भरोसे से निकट आने का अधिकार है''

कुलुस्सियों 1:14
'' *जिस में* हमें छुटकारा अर्थात पापों की क्षमा प्राप्त होती है।''

कुलुस्सियों 2:3
'' *जिस में* बुद्धि और ज्ञान के सारे भण्डार छिपे हुए हैं।''

''उसके पुत्र में'' (1)

1 यूहन्ना 5:11
''और यह गवाही यह है, कि परमेवर ने हमें अनन्त जीवन दिया है: और यह जीवन *उसके पुत्र में* है।''

''उसके पुत्र यीशु मसीह में'' (1)

1 यूहन्ना 5:20
''और यह भी जानते हैं, कि परमेश्वर का पुत्र आ गया है और उसने हमें समझ दी है, कि हम उस सच्चे को पहचानें, और हम उसमें जो सत्य है, अर्थात *उसके पुत्र यीशु मसीह में* रहते हैं: सच्चा परमेश्वर और अनन्त जीवन यही है।''

''मसीह की देह'' (4)

रोमियों 7:4

''सो हे मेरे भाइयो, तुम भी *मसीह की देह* के द्वारा व्यवस्था के लिए मरे हुए बन गए, कि उस दूसरे के हो जाओ, जो मरे हुओं में से जी उठा: ताकि हम परमेश्वर के लिए फल लाएं।''

1 कुरिन्थियों 10:16

''वह धन्यवाद का कटोरा, जिस पर हम धन्यवाद करते हैं, क्या मसीह के लोहू की सहभागिता नहीं? वह रोटी जिसे हम तोड़ते हैं, क्या वह *मसीह की देह* की सहभागिता नहीं।''

इफिसियों 4:11, 12

''और उस ने कितनों को प्रेरित नियुक्त करके, और कितनों को भविष्यवक्ता नियुक्त करके, और कितनों को सुसमाचार सुनाने वाले नियुक्त करके, और कितनों को रखवाले और उपदेशक नियुक्त करके दे दिया। जिस से पवित्र लोग सिद्ध हो जाएं, और सेवा का कम किया जाए और *मसीह की देह* उन्नति पाए।''

1 कुरिन्थियों 12:27

''इसी प्रकार तुम सब मिलकर मसीह की *देह* हो, और अलग-अलग उसके अंग हो।''

''उसकी देह'' (3)

इफिसियों 1:22, 23

''और सब कुछ उसके पांवों तले कर दिया: और उसे सब वस्तुओं पर शिरोमणि ठहराकर कलीसिया को दे दिया। यह *उसकी देह* है, और उसी की परिपूर्णता है, जो सब में सब कुछ पूर्ण करता है।''

इफिसियों 5:29, 30

''क्योंकि किसी ने कभी अपने शरीर से बैर नहीं रखा बरन उसका पालन-पोषण करता है, जैसा मसीह भी कलीसिया के साथ करता है। इस लिए कि हम उस की *देह* के अंग हैं।''

कुलुस्सियों 1:24

''अब मैं उन दुखों के कारण आनन्द करता हूं, जो तुम्हारे लिए उठाता हूं, और मसीह के क्लेशों की घटी उस की *देह* के लिए, अर्थात कलीसिया के लिए, अपने शरीर में पूरी किए

देता हूं।''

''देह''(4)

इफिसियों 3:6
''अर्थात यह, कि मसीह यीशु में सुसमाचार के द्वारा अन्यजातीय लोग मीरास में साझी, और एक ही *देह* के और प्रतिज्ञा के भागी हैं।''

इफिसियों 5:23
''क्योंकि पति पत्नी का सिर है जैसे कि मसीह कलीसिया का सिर है; और आप ही *देह* का उद्धारकर्त्ता है।''

कुलुस्सियों 1:18
''और वही *देह*, अर्थात कलीसिया का सिर है; वही आदि है और मरे हुओं में से जी उठने वालों में पहिलौठा कि सब बातों में वही प्रधान ठहरे।''

कुलुस्सियों 2:18, 19
''कोई मनुष्य दीनता और स्वर्गदूतों की पूजा करके तुम्हें दौड़ के प्रतिफल से वंचित न करे। ऐसा मनुष्य देखी हुई बातों में लगा रहता है और अपनी शारीरिक समझ पर व्यर्थ फूलता है। और उस शिरोमणि को पकड़े नहीं रहता जिस से सारी *देह* जोड़ों और पट्ठों के द्वारा पालन-पोषण पाकर और एक साथ गठकर, परमेश्वर की ओर से बढ़ती जाती है।''

''एक देह''(5)

रोमियों 12:5
''वैसा ही हम जो बहुत हैं, मसीह में *एक देह* होकर आपस में एक दूसरे के अंग हैं।''

1 कुरिन्थियों 12:13
''क्योंकि हम सब ने क्या यहूदी हो, क्या यूनानी, क्या दास, क्या स्वतंत्र, एक ही आत्मा के द्वारा *एक देह* होने के लिए बपतिस्मा लिया, और हम सब को एक ही आत्मा पिलाया गया।''

इफिसियों 2:14-16
''क्योंकि वही हमारा मेल है, जिस ने दोनों को एक कर लिया: ...कि दोनों से अपने में एक नया मनुष्य उत्पन्न करके मेल करा दे। और क्रूस पर बैर को नाश करके इस के द्वारा दोनों को *एक देह* बनाकर परमेश्वर से मिलाए।''

इफिसियों 4:4
‘‘*एक ही देह* है, और एक ही आत्मा; जैसे तुम्हें जो बुलाए गए थे अपने बुलाए जाने से एक ही आशा है।’’

कुलुस्सियों 3:15
‘‘और मसीह की शान्ति जिस के लिए तुम *एक देह* होकर बुलाए भी गए हो, तुम्हारे हृदय में राज्य करे, और तुम धन्यवादी बने रहो।’’